हिन्दी विभाग

प्रति,

प्राचार्य

शास. वि. या. ता. स्नात. स्वशासी महाविद्यालय,

दुर्ग (छ.ग.)।

विषय :– महाविद्यालय में 'रमाकांत श्रीवास्तव एकाग्र' के आयोजन के अनुमति हेतु।

संदर्भ – साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद ; संस्कृति विभाग, छ.ग.शासन का
पत्र क्रमांक 01/ छ. स. प. / साहि. अका. / 2023-24 दिनांक 28/8/2023

महोदय,

निवेदन है कि संदर्भित पत्रानुसार महाविद्यालय में साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा साहित्यकार डॉ.रमाकांत श्रीवास्तव पर दिनांक 14 एवं 15 सितंबर 2023 को दो दिवसीय संगोष्ठी करने का प्रस्ताव इस महाविद्यालय को प्राप्त हुआ है। हिंदी विभाग इस कार्यक्रम को आयोजित करने हेतु तैयार है। इस कार्यक्रम के आयोजन से महाविद्यालय के गौरव में वृद्धि के साथ-साथ साहित्य से जुड़े स्थानीय गणों, छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को लाभ होगा।

कृपया उक्त तिथियों पर रमाकांत श्रीवास्तव एकाग्र कार्यक्रम की अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 05/09/2023

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष हिंदी

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V. Y. T. PG. Auto. College
Durg (C.G.)

साहित्य अकादमी

छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद,

संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर (छत्तीसगढ़)

कार्यालय: द्वितीय तल, कमर्शियल कांपलेक्स, सेक्टर 27, नवागांव परसती, अटल नगर- नया रायपुर, छत्तीसगढ़- 492101.
दूरभाष- 0771-2995629

क्रमांक- 1/ छ.सं.प../साहि. अका./ 2023-24 — दिनांक: 28/08/23.

प्रति,
डॉ. आरएन सिंह,
प्राचार्य,
शा. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
दुर्ग (छत्तीसगढ़).

28/8/

विषय: महाविद्यालय में रमाकांत श्रीवास्तव एकाग्र के आयोजन हेतु प्रस्ताव

महोदय,
साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद देश व छत्तीसगढ़ के चर्चित कथाकार व उपन्यासकार श्री रमाकांत श्रीवास्तव के कृतित्व पर केंद्रित एक आयोजन 'रमाकांत श्रीवास्तव एकाग्र' सितंबर माह में करना चाहती है। शा. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय (नैक रैंकिंग A+) छत्तीसगढ़ राज्य के महत्त्वपूर्ण महाविद्यालयों में से एक है। हमारी हार्दिक इच्छा है कि साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ यह आयोजन आपके महाविद्यालय के सहयोग से करे। हम चाहते हैं कि यह आयोजन महाविद्यालय परिसर में ही आयोजित हो और महाविद्यालय के साहित्य व अन्य संकायों के शिक्षक, शोध छात्र व छात्र इसमें सक्रिय भागीदारी करें। इस कार्यक्रम का रचनात्मक संयोजन करने के लिए हमने देश व छत्तीसगढ़ के शीर्ष आलोचक व आपके महाविद्यालय में हिंदी विभाग के प्राध्यापक श्री जयप्रकाश से अनुरोध किया है, जिसे उन्होंने सहमति प्रदान की है।

आप से इस कार्यक्रम को 14 व 15 सितंबर, 2023 को शा. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित करने की अनुमति प्रदान करने का विनम्र अनुरोध है। आमंत्रण व सभी प्रचार सामग्री में महाविद्यालय के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित करने संबंधी जानकारी अनिवार्य रूप से रहेगी।

Dr Abhineesh Surana for N.A. & Discuss the Principal

आपसे प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय के किसी उपयुक्त सभागार को आरक्षित करने का भी आग्रह है। सभागार के अलावा दोपहर के भोजन व चाय नाश्ते के लिए जगह की व्यवस्था भी कॉलेज में करना बेहतर रहेगा। वक्ताओं के आवागमन, मानदेय, भोजन व संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों के लिए चाय, जलपान, भोजन और संगोष्ठी के पोस्टर, स्टैंडी, कार्ड आदि के जरिए प्रचार-प्रसार, व स्थानीय वाहन आदि की व्यवस्था साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ सहर्ष वहन करेगी।

Ishwar Singh Dost

ईश्वर सिंह दोस्त

अध्यक्ष,

साहित्य अकादमी,

छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, रायपुर

(छत्तीसगढ़)

8989842952, 8226005065.

ishwardost@gmail.com

KALA-SAHITYA ACADEMY CHHATTISGARH

कला-साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़

भिलाई,दिनांक :-30/09/2023

प्रतिष्ठा में,

श्रीमान प्राचार्य महोदय

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय

गवर्नमेंट आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज

दुर्ग

विषय-"कला-साहित्य अकादमी,छत्तीसगढ़' द्वारा प्रस्तुति मूलक नाट्य कार्यशाला के आयोजन बावत।

आदरणीय महोदय,

"कला-साहित्य अकादमी,छत्तीसगढ़' द्वारा छत्तीसगढ़ में कला-साहित्य विधा के विकास के लिये निरंतर आयोजन किये जा रहे हैं।विगत दिनों हमारे मध्य हुए प्रतिमाह नाट्य मंचन के आयोजन के चर्चा के दरम्यान आपने हमें एक नाट्य कार्यशाला का आयोजन आपके महाविद्यालय में आयोजित करने का प्रस्ताव दिया था।हम आपके द्वारा दिए गए प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकारते हुए आपसे निवेदन करते हैं कि कृपया आप किस माह में नाट्य कार्यशाला का आयोजन करना चाहते हैं उसका निर्धारण कर हमें अवगत कराएं ताकि हम हमारे विशेषज्ञों से समन्वय कर नाट्य कार्यशाला के प्रारूप को अंतिम स्वरूप दे सकें।

धन्यवाद,

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
30.9.23

(पी. पी विश्वास)

सचिव

"कला-साहित्य अकादमी",छत्तीसगढ़

मो. न. 7987965350

पता-प्लॉट नंबर 146/147,चंद्रनगर ,उमरपोटी,पो.ऑ .-पुरई ,जिला-दुर्ग,छत्तीसगढ़,पिन कोड-491107

कार्यालय, प्राचार्य, शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक : 12.9.2023

सूचना

साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर वृहत साहित्यिक समारोह 'एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव' का दो दिवसीय आयोजन दि. 14 एवं 15 सितंबर, 2023 को राधाकृष्णन सभागार में किया जा रहा है। इस आयोजन में समस्त शैक्षणिक स्टाफ़ की उपस्थिति अपेक्षित है। समारोह का उद्घाटन-सत्र 14 सितंबर को पूर्वाह्न 10.30 बजे से होगा।

I/C

प्राचार्य

Principal
Govt. V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव

14 व 15 सितंबर, 2023

राधाकृष्णन सभागार,
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़)

: आयोजक :

साहित्य अकादमी
छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद,
संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छत्तीसगढ़)

14 सितंबर 2023, गुरुवार

10.30 बजे : **उद्घाटन सत्र**
संयोजकीय वक्तव्य : **जयप्रकाश**
बीज वक्तव्य : **शशांक**
अध्यक्षीय वक्तव्य : **आर. एन. सिंह**
धन्यवाद ज्ञापन : **अभिनेष सुराना**, संचालन : **ईश्वर सिंह दोस्त**

11.30 बजे : रमाकांत श्रीवास्तव का कथा-संसार :
कथा भूमि की तलाश
वक्तव्य : **मुकेश वर्मा, महावीर अग्रवाल, प्रभुनारायण वर्मा**
संचालन : **वसंत त्रिपाठी**

1 बजे : भोजन

2.00 बजे : रमाकांत श्रीवास्तव का कथा-संसार :
कहानी के नये इलाक़े में
वक्तव्य : **जयप्रकाश, नीरज खरे**
संचालन : **प्रभुनारायण वर्मा**

3.00 बजे : चाय

3.15 बजे : रमाकांत श्रीवास्तव का कथा-संसार :
समकालीनता से साक्षात्कार की कथा-विधि
वक्तव्य : **विनोद साव, आनंद बहादुर, दिनेश भट्ट, कैलाश बनवासी**, संचालन : **जय प्रकाश**

5.00बजे : **कहानीपाठ : रमाकांत श्रीवास्तव**
5.30 जलपान

15 सितंबर 2023, शुक्रवार

10.30 बजे : रमाकांत श्रीवास्तव का कथा-संसार :
किशोर मन का यथार्थ
वक्तव्य : **राजेंद्र शर्मा, राजीव कुमार शुक्ल**
संचालन : **उषा आठले**

11.30 बजे : **कथेतर का वैभव**
छत्तीसगढ़ी गाथा गीत : **जीवन यदु**
संस्मरण साहित्य : **सियाराम शर्मा**
निबंध : **वसंत त्रिपाठी**
संचालन : **राजीव कुमार शुक्ल**

1 बजे : भोजन

2.00 बजे : **व्यक्तित्व के विविध आयाम**
वक्तव्य : **रवि श्रीवास्तव, दीपा श्रीवास्तव, उषा आठले**
संचालन : **राजकुमार सोनी**

3.30 बजे : चाय

3.30 बजे : संवाद परस्पर :
रमाकांत श्रीवास्तव से बातचीत
संचालन : **जयप्रकाश, राजीव कुमार शुक्ल**

4.30 जलपान

संपर्क : रजनीश उमरे 9329361642 , मृगेंद्र सिंह 7509779976

एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव

14 व 15 सितंबर, 2023

राधाकृष्णन सभागार,
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,
दुर्ग (छत्तीसगढ़)

प्रति, ______________________________

____

____

: आयोजक :

साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दुर्ग, दिनांक 14/09/2023

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में संस्कृति विभाग छ.ग. शासन के सहयोग से एकाग्र रमाकांत का आयोजन

हिन्दी दिवस के अवसर पर साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन और हिन्दी विभाग, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में "एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव" पर दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए साहित्य अकादमी के अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त ने कहा कि छत्तीसगढ़ के समकालीन रचनाकारों पर महत्वपूर्ण चर्चा हमारी योजना में है। इसी के तहत हम लगातार रायपुर और छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों में समकालीन रचनाकारों पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित कर रहे है।

बीज वक्तव्य देते हुए वरिष्ठ कथाकार शशांक ने कहा कि रमाकांत जी की कहानियां नयी कहानी के दौर से दिखायी देती है। उनकी कहानियों में हमें विद्रोह की आकांक्षा अथवा स्वप्न दिखायी पड़ता है, वे अपनी कहानियों में लोक गाथाओं से पृष्ठभूमि लेकर कथा रचते है। उनकी कहानियां अपने समय को प्रतिबिम्बित करती हुई युगबोध का दर्शन कराती है। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा कि हिन्दी दिवस के अवसर आज के समय के महत्वपूर्ण रचनाकार रमाकांत श्रीवास्तव पर आयोजन हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने युवाओं को वरिष्ठ साहित्यकारों से सांस्कारिक प्रोत्साहन का भी आह्वान किया। उद्घाटन सत्र का आभार ज्ञापन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

रमाकांत श्रीवास्तव का कथा संसार पर चर्चा करते हुए प्रभुनारायण वर्मा ने कहा कि वस्तुतः कथा भूमि की तलाश रमाकांत के रचनात्मक विकास की तलाश है। एक दृष्टि सम्पन्न कथाकार किसी भी विषय को कहानी का कथानक बना सकता है। रमाकांत की कहानियों में एक खास वैज्ञानिक और जनवादी दृष्टि है। उनकी कहानियों में मानवीय संबंध, आत्मीय संबंध, हमारे आसपास का परिवेश अपनी पूरी रंगत से मौजूद है। वे अपनी कहानियों में जनपक्षधरता की रक्षा अपना उत्तरदायित्व समझते है।

दुर्ग के वरिष्ठ साहित्यकार महावीर अग्रवाल ने रमाकांत जी से अपने पांच दशकों की आत्मीय और पारिवारिक संबंधों का जिक्र करते हुए उनकी रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज भी वे रमाकांत जी से सीखते रहते है। उनकी कथाओं में निम्न मध्यम वर्ग के जीवन संघर्ष और स्वप्न यथार्थ की चिंता मुख्य विषय होते हैं। उनके लेखन पर चर्चा करते हुए मुकेश वर्मा ने कहा कि हम कोई भी घटना देखते है, और भूल जाते है, लेकिन लेखक

भूलता नही है। वह उसके मस्तिष्क में संचित हो जाता है, और वही से उसके लिए कथा का बीजारोपण होता है। उनकी कहानियों का हर पात्र दूसरे पात्र से अलग और अनूठा होता है, जो धीर–धीरे हमारे भीतर जगह बनाता जाता है। उनकी कहानियों में भंगिमाओं का चित्रण भी विलक्षण है। सत्र का संचालन करते हुए बसंत त्रिपाठी ने उनकी रचनाओं में आमजन की मुश्किलों एवं अभिजन का विरोध रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रमाकांत का रचना संसार बहुआयामी है। रमाकांत के बहाने उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहर के रचनाकार इस बात को गंभीरता से स्वीकारते है, कि चर्चा के केन्द्र में जरूर उत्तर भारत के रचनाकार रहें, लेकिन हिन्दी में गंभीर रचनाऐं मध्य भारत में होती रही है, जिसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल है।

संवाद को आगे बढ़ाते हुए कहानी के वरिष्ठ आलोचक नीरज खरे ने कहा कि कहानी की रचना कहानीकार के अनुभव जगत से उभरती है। रमाकांत की कहानियों के भीतर एक सर्जनात्मक सौंदर्य है। उनकी कहानियों में एक कठोर व्यंग्य और विनोद भी दिखायी देता है। वरिष्ठ आलोचक जयप्रकाश ने कहा कि कोई भी लेखक अंततः अपने समय को लिखता है। रमाकांत का लेखन अपने समय का लंबा आख्यान है। वे आज भी लगातार अपने समय और समाज को लिख रहे है। उनकी कहानियों में हमें कमजोर और शक्तिशाली वर्ग का संघर्ष दिखायी पड़ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रमाकांत के पास जो भाषा है, वह हिन्दी के किसी और कहानीकार के पास नही है।

इस अवसर पर रमाकांत श्रीवास्तव का कथा संसार के अंतर्गत समकालीनता से साक्षात्कार की कथा विधि पर विनोद साव, आनंद बहादुर, दिनेश भट्ट और कैलाश वनवासी ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। रमाकांत की कहानियों में मुख्य रूप से किस्सागो है। उनके पात्रों में उनकी जनपक्षधरता रह रहकर झलकती है। उनकी कहानियां इसीलिए आज भी ताजा है, क्योंकि उसमें आम आदमी का जीवन संघर्ष है और किस्सागोई है, इस दृष्टि से ग्रामीण भारत के परिवेश पर केन्द्रित उनकी चैम्पियन कहानी कालजयी है। अंत में कथाकार रमाकांत श्रीवास्तव ने अपनी कहानी का पाठ भी किया।

आज के आयोजन में हिन्दी विभाग के समस्त प्राध्यापकगण, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण, शोधार्थी, छात्र–छात्राऐं, सुधी पाठकगण एवं दुर्ग भिलाई के साहित्यकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V. Y. T. PG Auto. College
Durg (C.G.)

एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग तथा
साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर
द्वारा आयोजित दो दिवसीय साहित्य समारोह

एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव

(14 एवं 15 सितंबर, 2023)

प्रमाण पत्र

श्री/श्रीमती/डॉ. ....

(प्राध्यापक / शोधार्थी / विद्यार्थी)..

....(संस्था)

ने महाविद्यालय में साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित साहित्य समारोह 'एकाग्र रमाकांत श्रीवास्तव' में उपस्थित रह कर सहभागिता की।

एतदर्थ उन्हें यह प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह दोस्त साहित्य अकादमी	विभागाध्यक्ष, हिंदी डॉ. अभिनेष सुराना	प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह